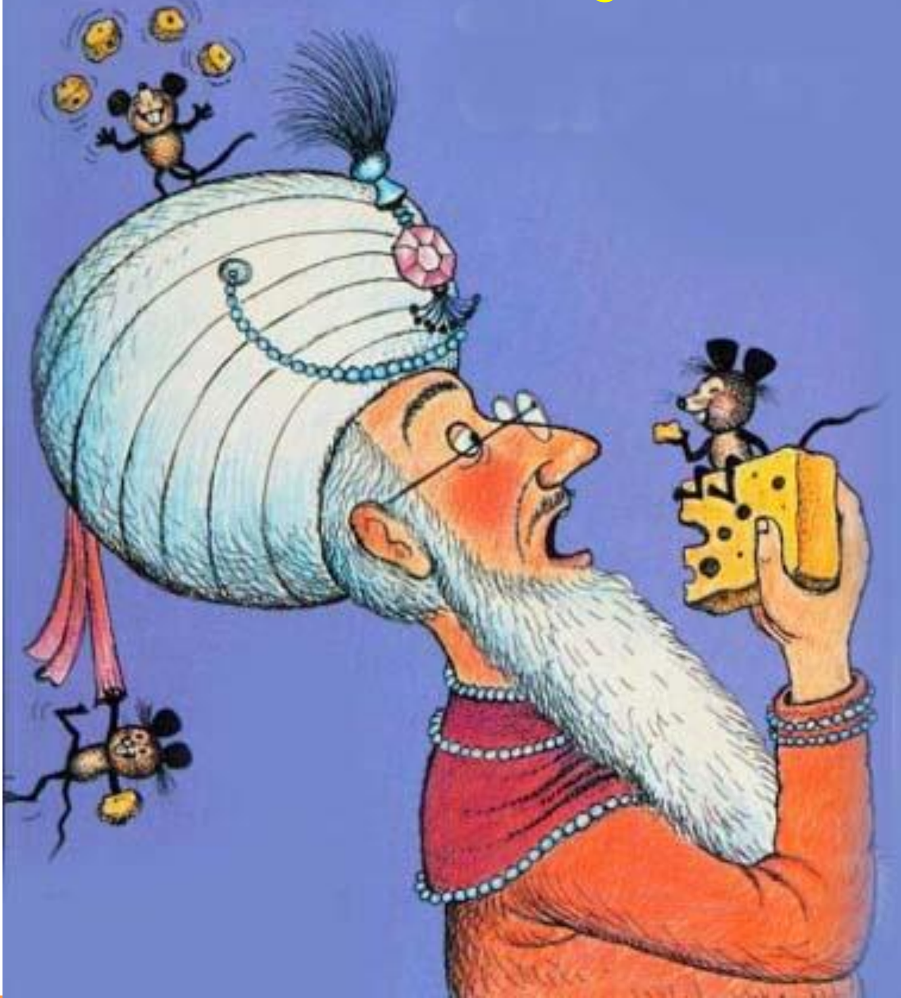
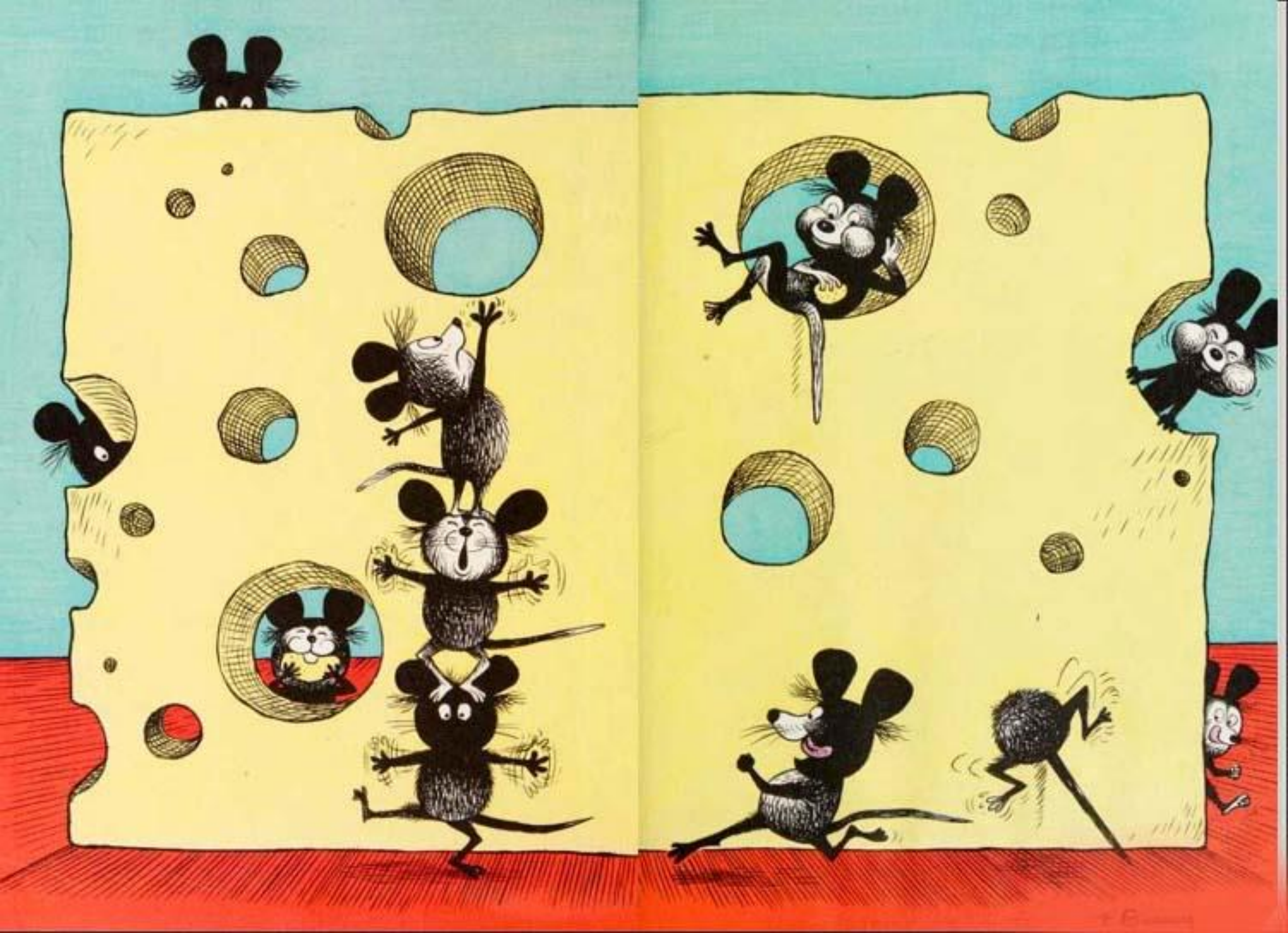
# राजा, चूहे और पनीर

नैन्सी और एरिक गुर्नी

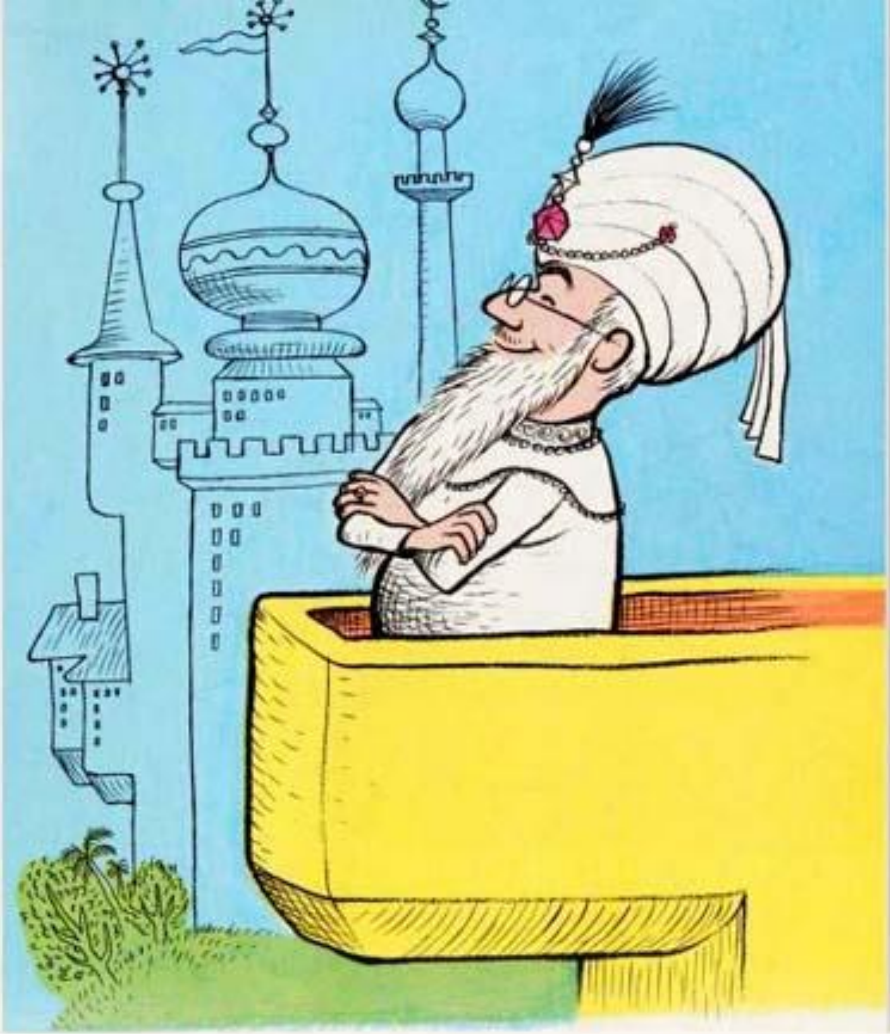




# राजा, चूहे और पनीर

नैन्सी और एरिक गुर्नी





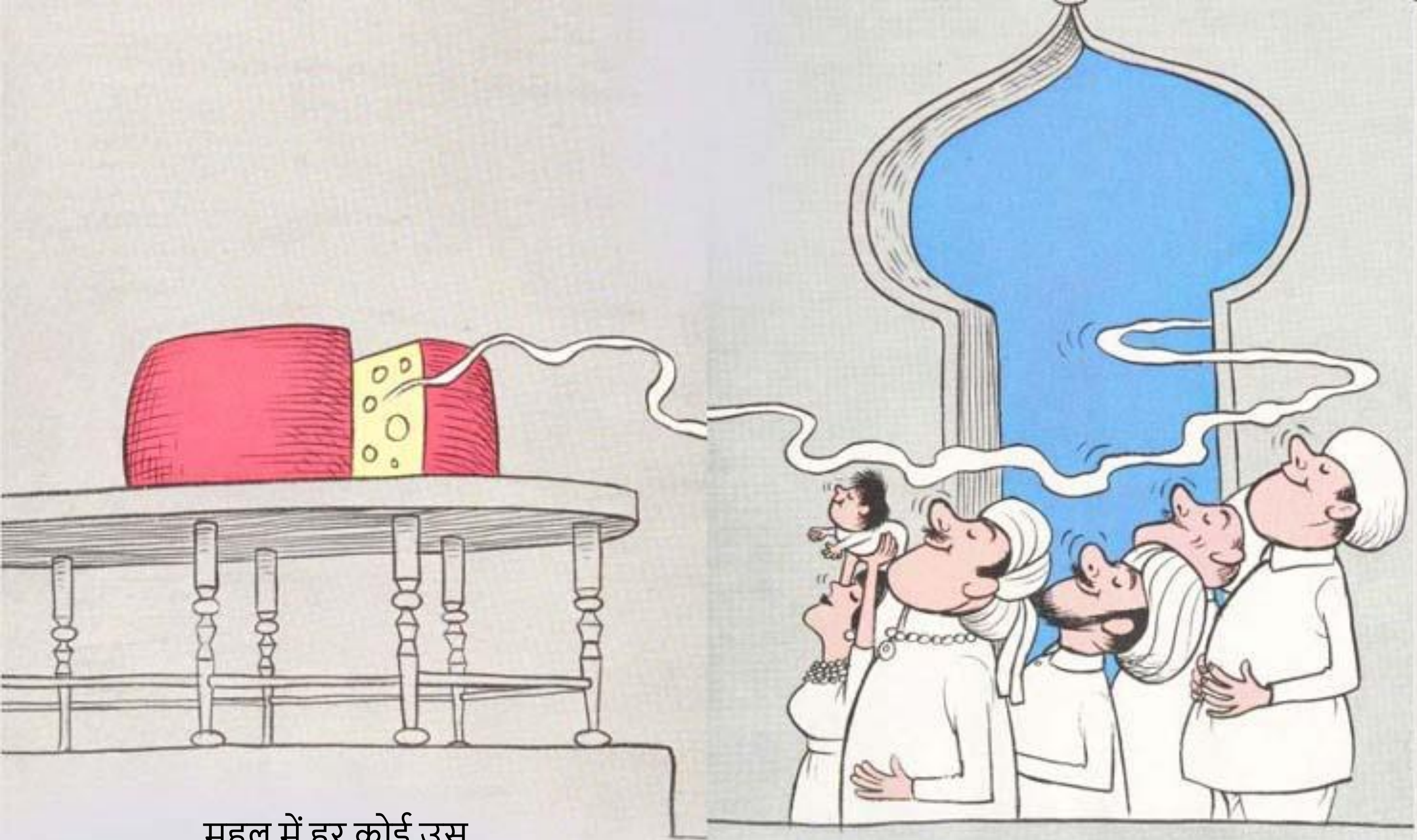
बहुत पुरानी बात है, दूर-दराज़
के देश में एक राजा रहता था.



वो एक सुंदर महल में रहता था. राजा के पास वो सब कुछ था जो वो चाहता था. वैसे उसे पनीर सबसे अधिक पसंद था.

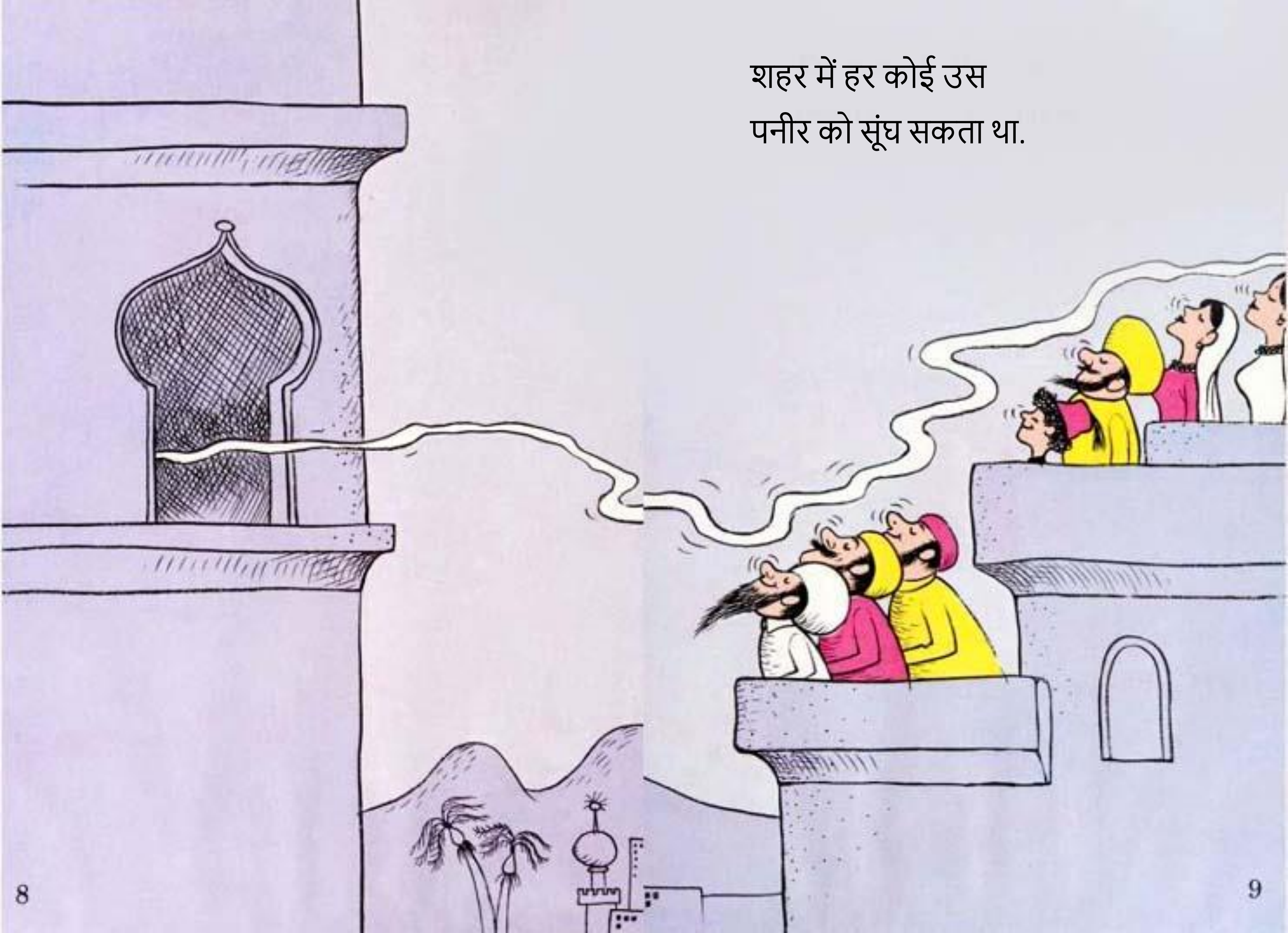
राजा के कारीगर दुनिया का सबसे अच्छा पनीर बनाते थे.





महल में हर कोई उस
पनीर को सूंघ सकता था.

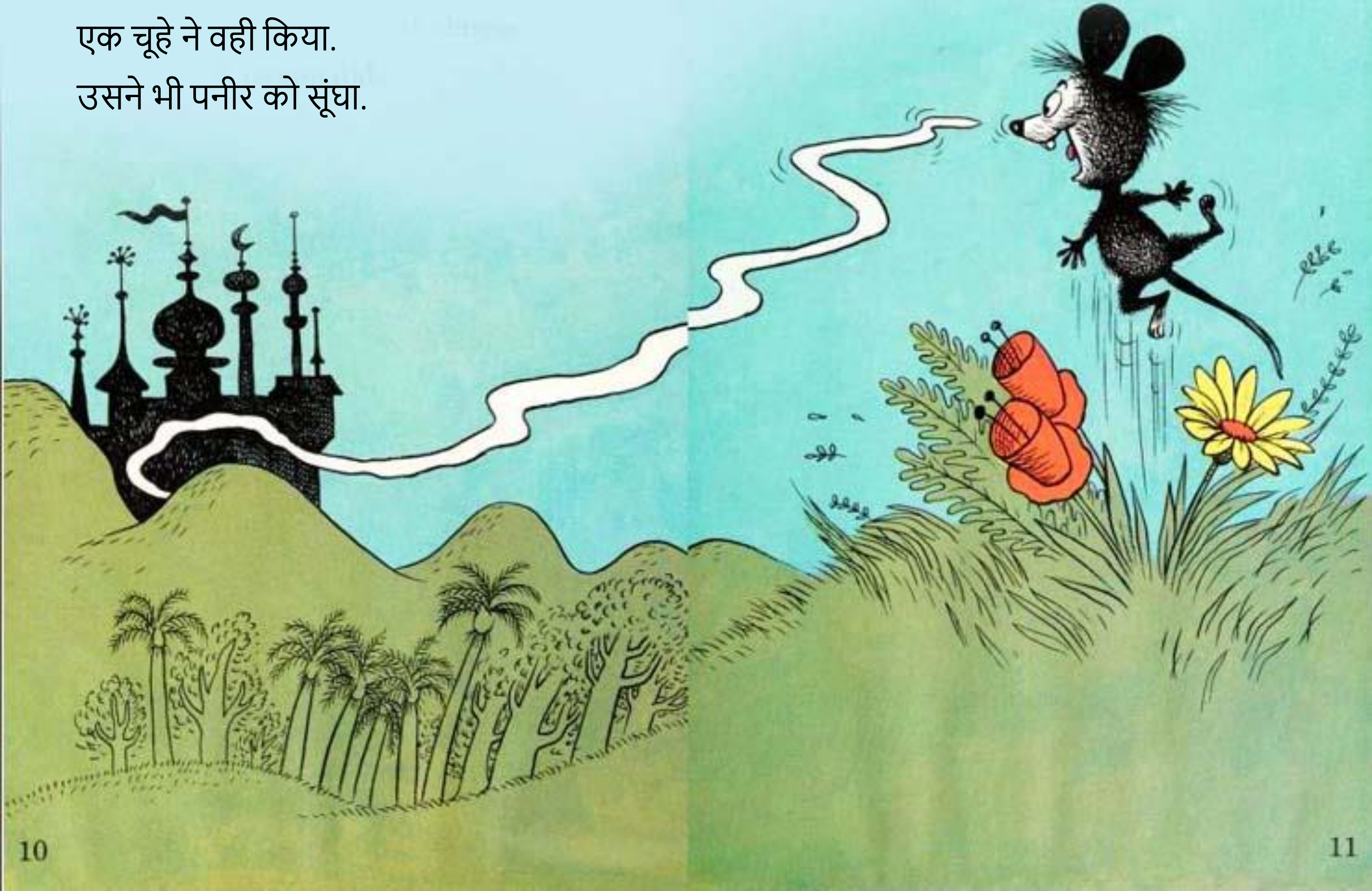
शहर में हर कोई उस
पनीर को सूंघ सकता था.

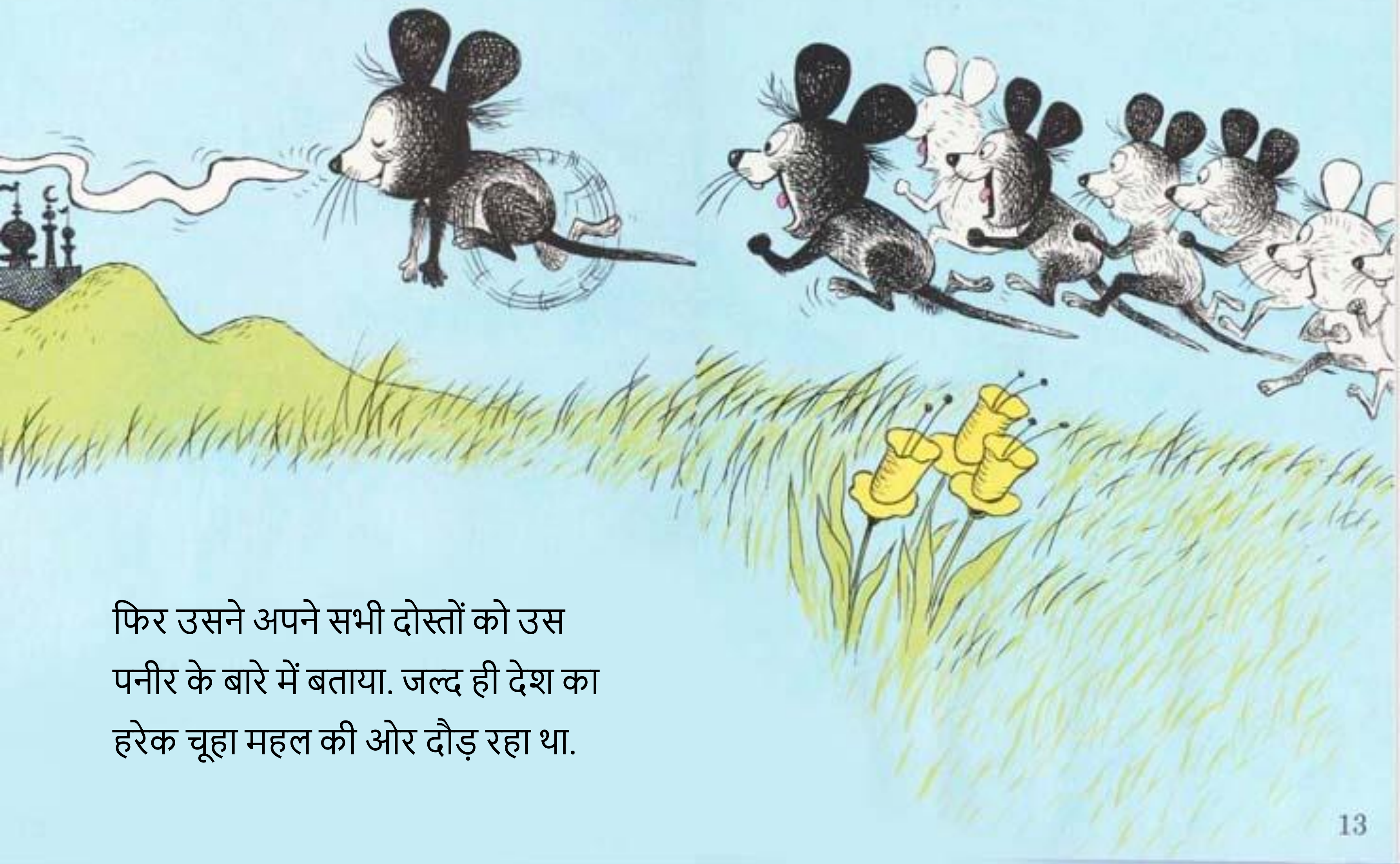


देश में हर कोई उस पनीर को सूंघ सकता था.

एक चूहे ने वही किया.

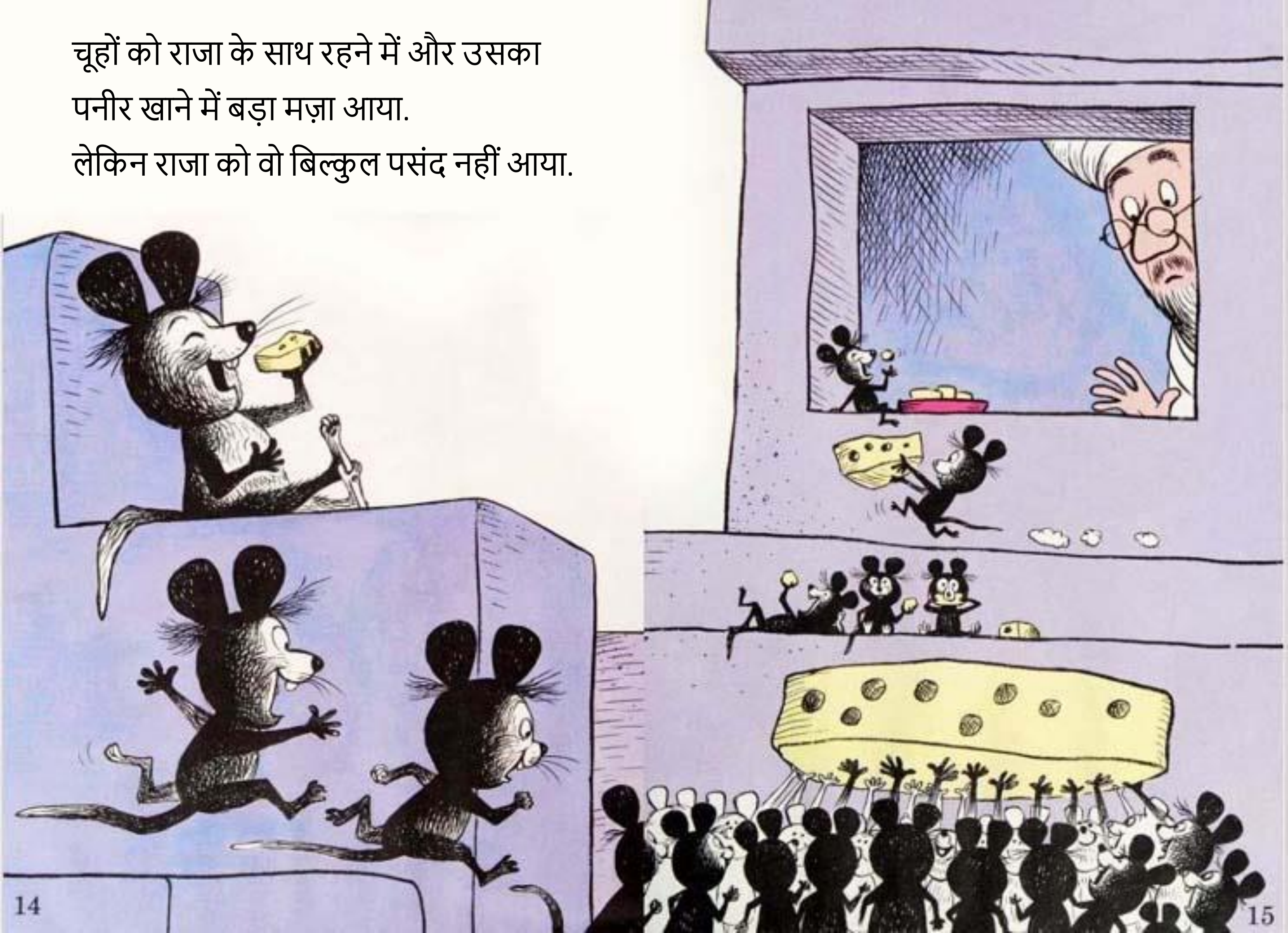
उसने भी पनीर को सूंघा.





फिर उसने अपने सभी दोस्तों को उस पनीर के बारे में बताया. जल्द ही देश का हरेक चूहा महल की ओर दौड़ रहा था.

चूहों को राजा के साथ रहने में और उसका
पनीर खाने में बड़ा मज़ा आया.
लेकिन राजा को वो बिल्कुल पसंद नहीं आया.



उसने अपने बुद्धिमान लोगों को बुलाया.
"मैं इन चूहों से कैसे छुटकारा पा सकता हूँ?"
उसने उनसे पूछा.

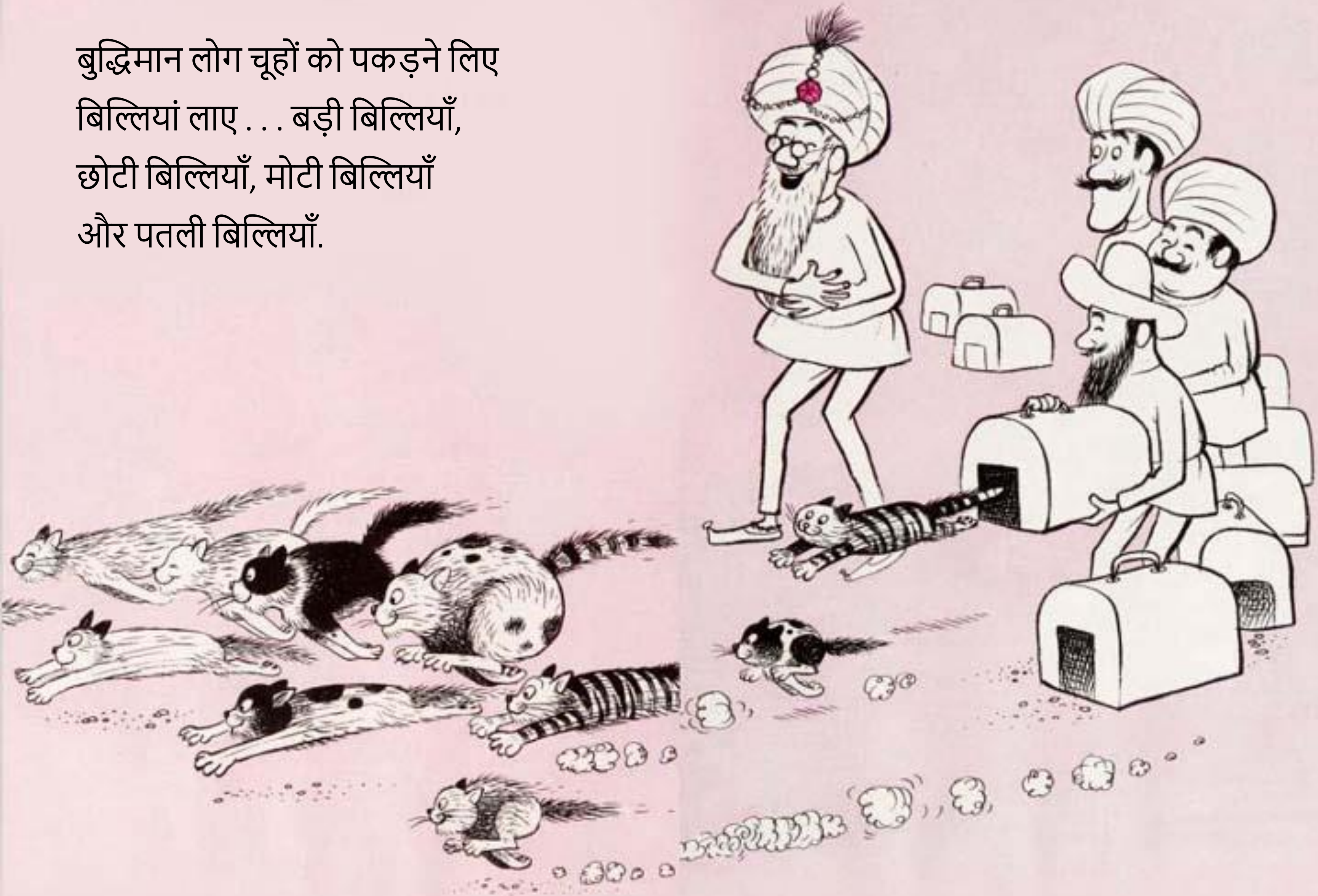




बुद्धिमान लोगों ने एक
अद्‌भुत विचार सुझाया.



बुद्धिमान लोग चूहों को पकड़ने लिए बिल्लियां लाए . . . बड़ी बिल्लियाँ, छोटी बिल्लियाँ, मोटी बिल्लियाँ और पतली बिल्लियाँ.





चूहों को पकड़ने वाली बिल्लियों ने बहुत अच्छा काम किया.

जल्द ही सभी चूहे महल से भाग गए.



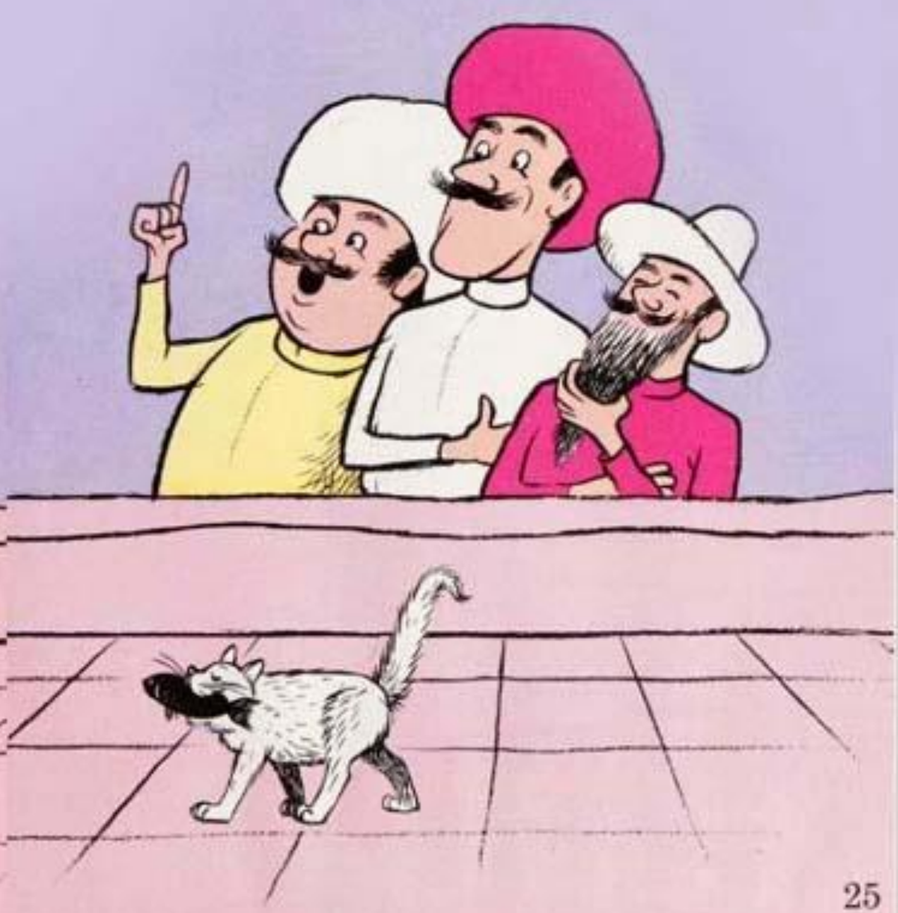


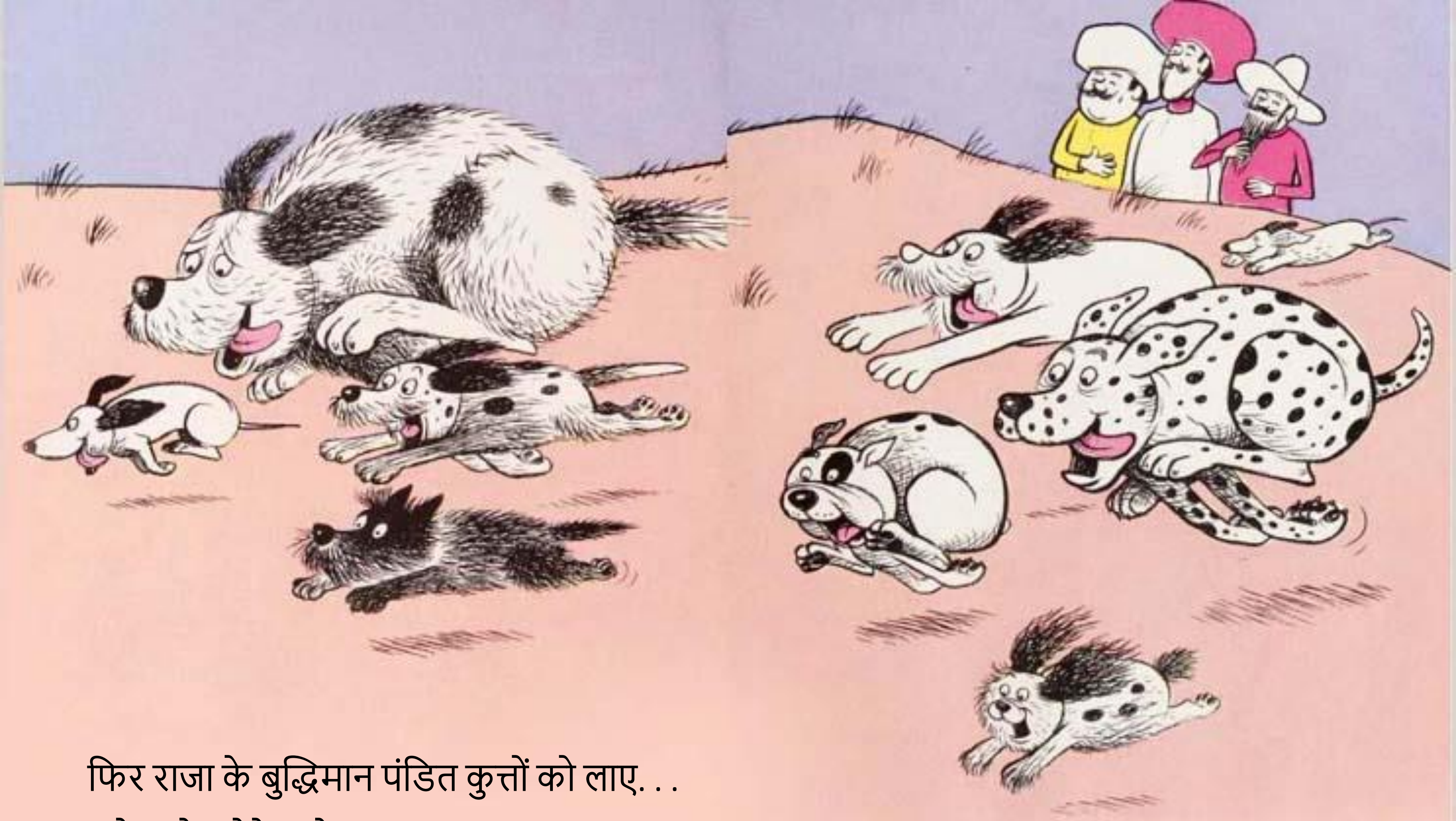
अब बिल्लियाँ बहुत खुश थीं. उन्हें राजा
के साथ महल में रहना अच्छा लगता था.
लेकिन राजा उनसे खुश नहीं था.
उसे बिल्लियों के साथ रहना पसंद नहीं था.

राजा ने अपने बुद्धिमान लोगों को वापस बुलाया. "अब मैं इन बिल्लियों से कैसे छुटकारा पा सकता हूँ?" उसने उनसे पूछा.

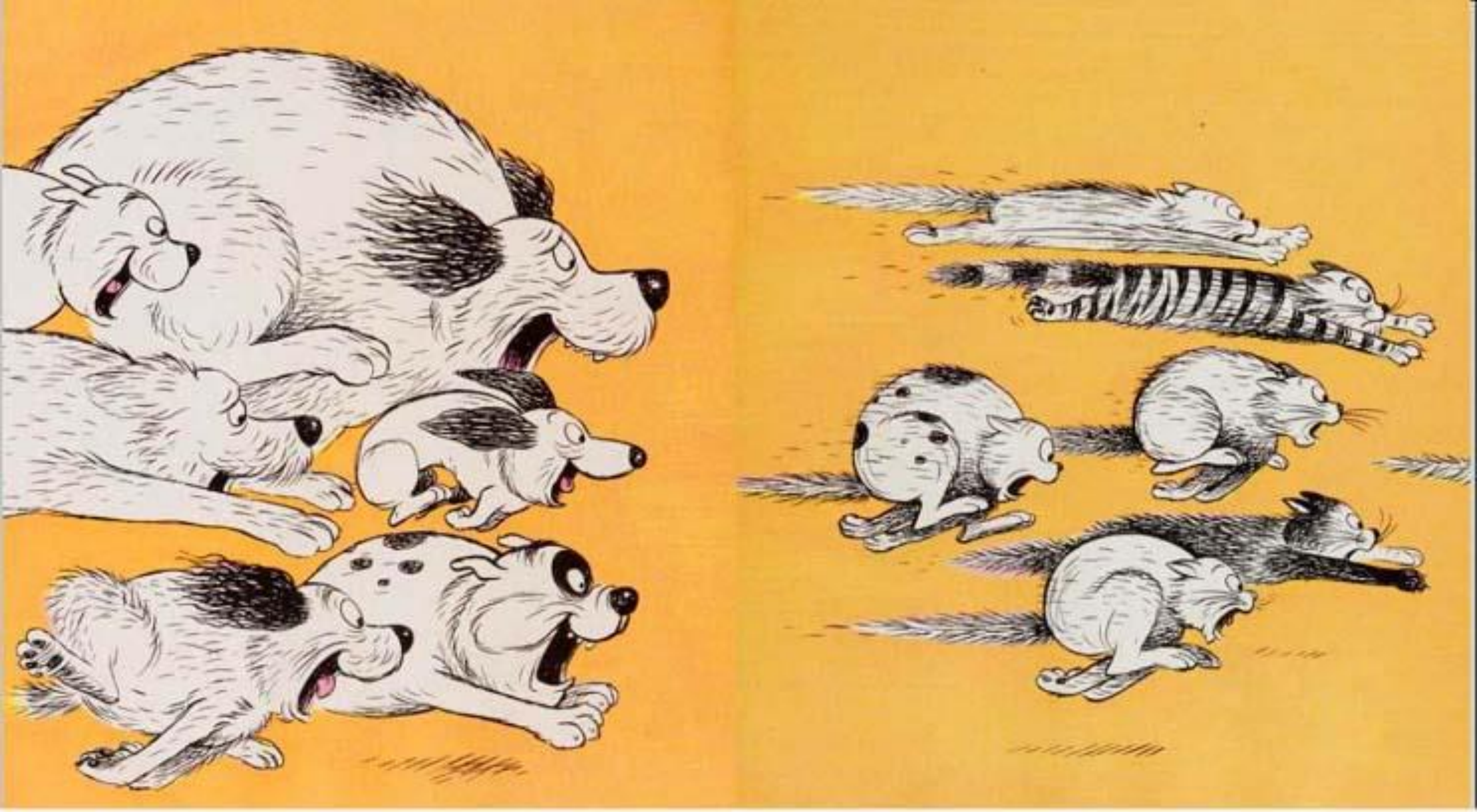


"यह आसान है," बुद्धिमान लोगों ने कहा. "उनसे छुटकारा कैसे पाना है वो हमें पता है."



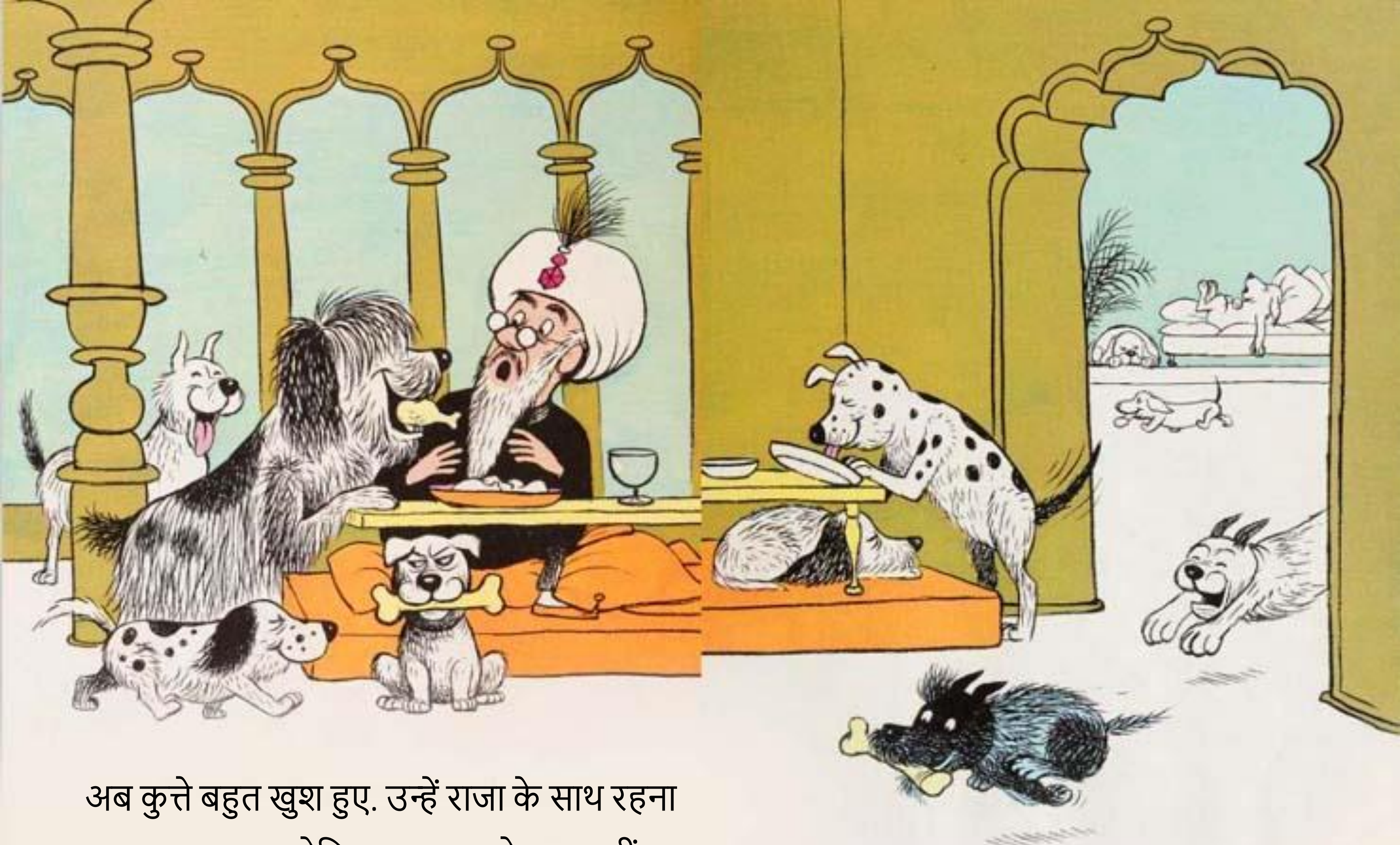


फिर राजा के बुद्धिमान पंडित कुत्तों को लाए. . .
बड़े कुत्ते, छोटे कुत्ते,
सफेद कुत्ते और चकत्तीदार कुत्ते.



बिल्लियां खदेड़ने वाले कुत्तों
ने बहुत अच्छा काम किया.

जल्द ही सभी बिल्लियाँ
महल से भाग गईं.



अब कुत्ते बहुत खुश हुए. उन्हें राजा के साथ रहना अच्छा लगता था. लेकिन राजा उनसे खुश नहीं था. उसे कुत्तों के साथ रहना पसंद नहीं था.

एक बार फिर राजा ने अपने ज्ञानी पंडितों को बुलाया. "क्या आप मुझे इन कुत्तों से छुटकारा दिला सकते हैं?" उसने उनसे पूछा.

"हम वो निश्चित रूप से कर सकते हैं," बुद्धिमान पंडितों ने कहा.

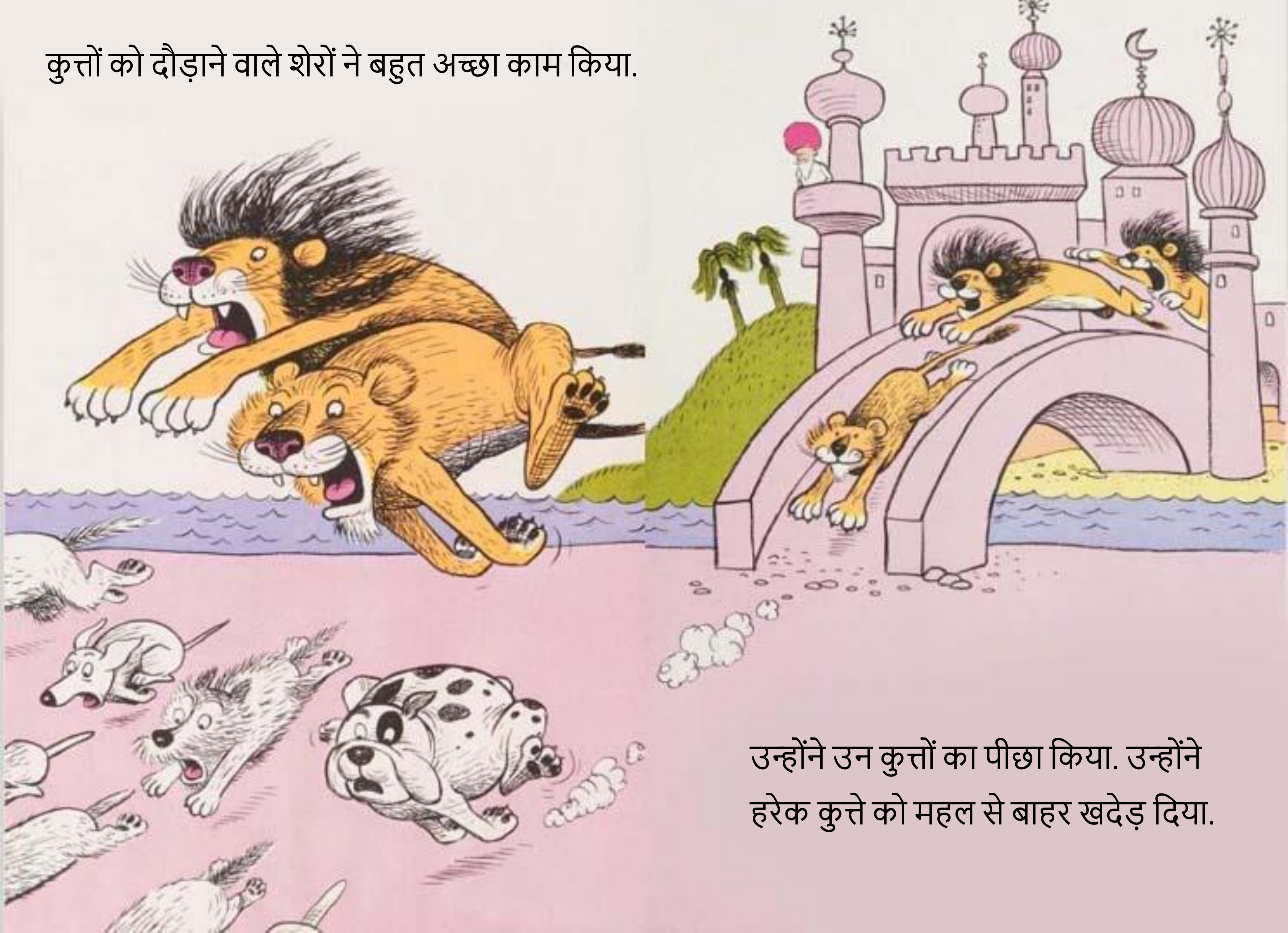




उसके बाद बुद्धिमान लोग, शेरों को लाए. . .

बड़े-बड़े और बहादुर शेरों को.

कुत्तों को दौड़ाने वाले शेरों ने बहुत अच्छा काम किया.



उन्होंने उन कुत्तों का पीछा किया. उन्होंने हरेक कुत्ते को महल से बाहर खदेड़ दिया.





अब शेर बहुत खुश हुए. उन्हें राजा के साथ रहना अच्छा लगता था. लेकिन राजा उनसे खुश नहीं था. उसे शेरों के साथ रहना पसंद नहीं था.

चौथी बार उसने फिर अपने ज्ञानी पंडितों को बुलाया. "मुझे फिर से आपकी मदद चाहिए," राजा ने विनती की.

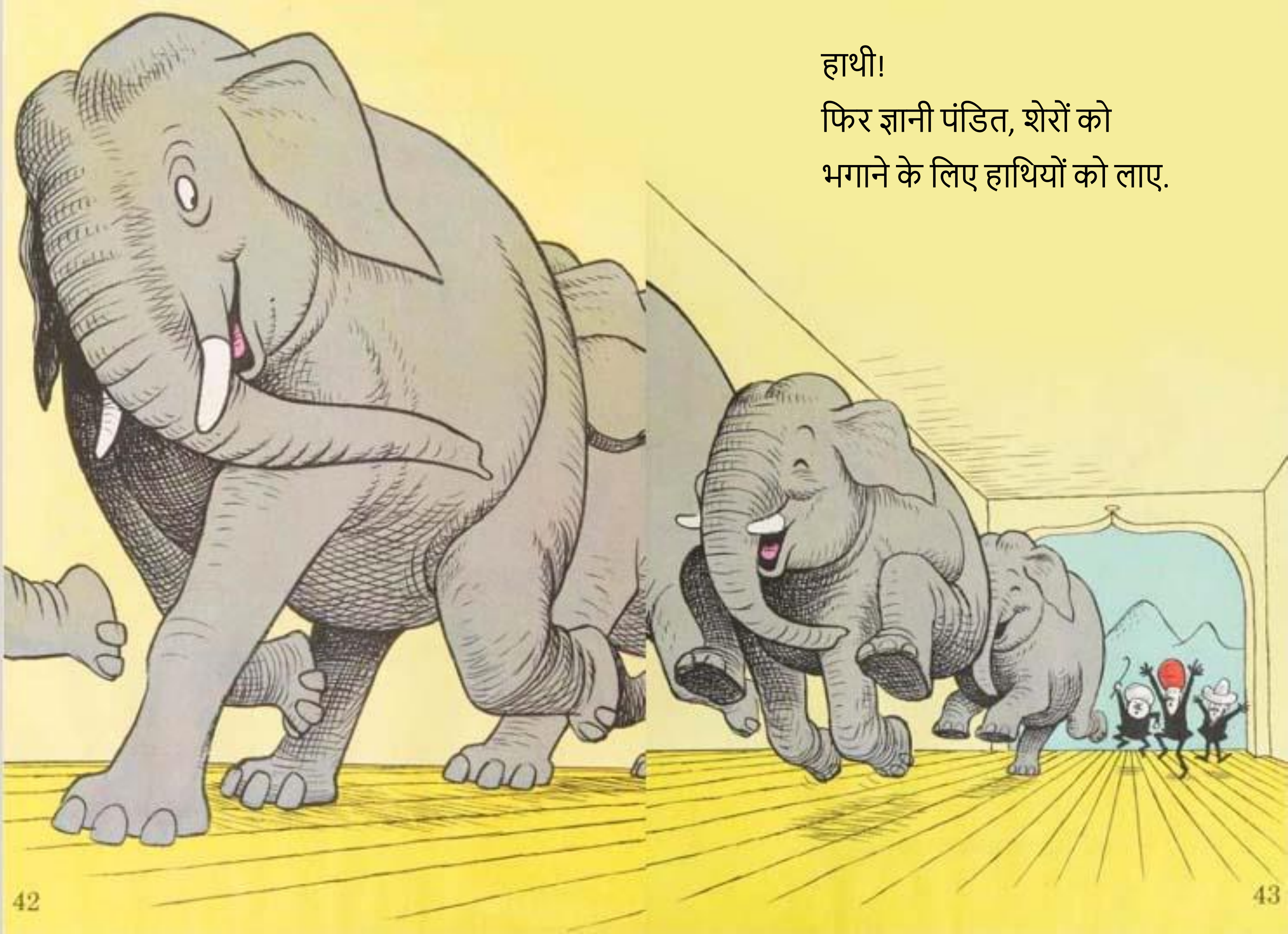


एक बार फिर से ज्ञानियों ने कहा कि उनके लिए वो काम आसान होगा.



हाथी!

फिर ज्ञानी पंडित, शेरों को
भगाने के लिए हाथियों को लाए.

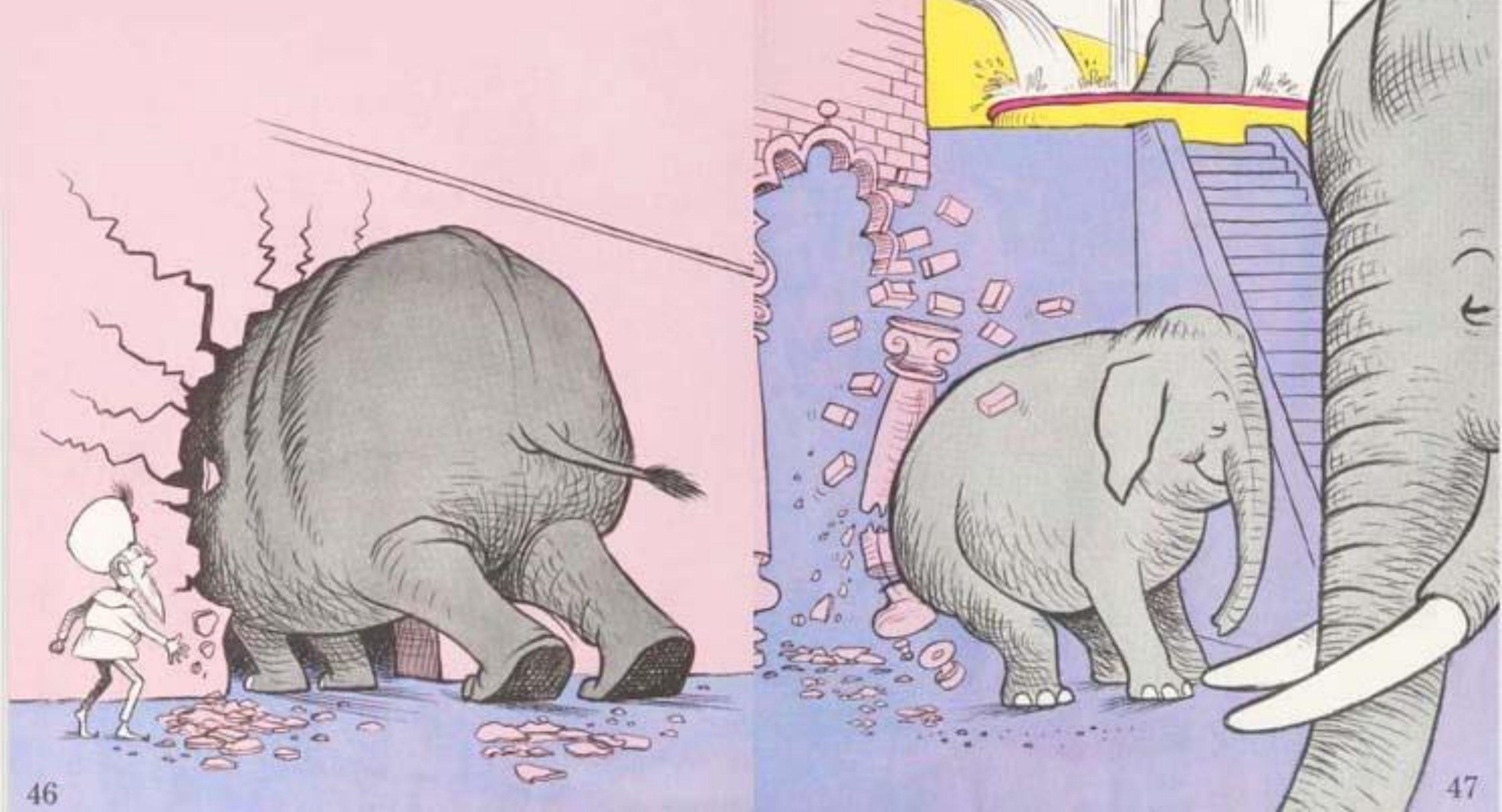


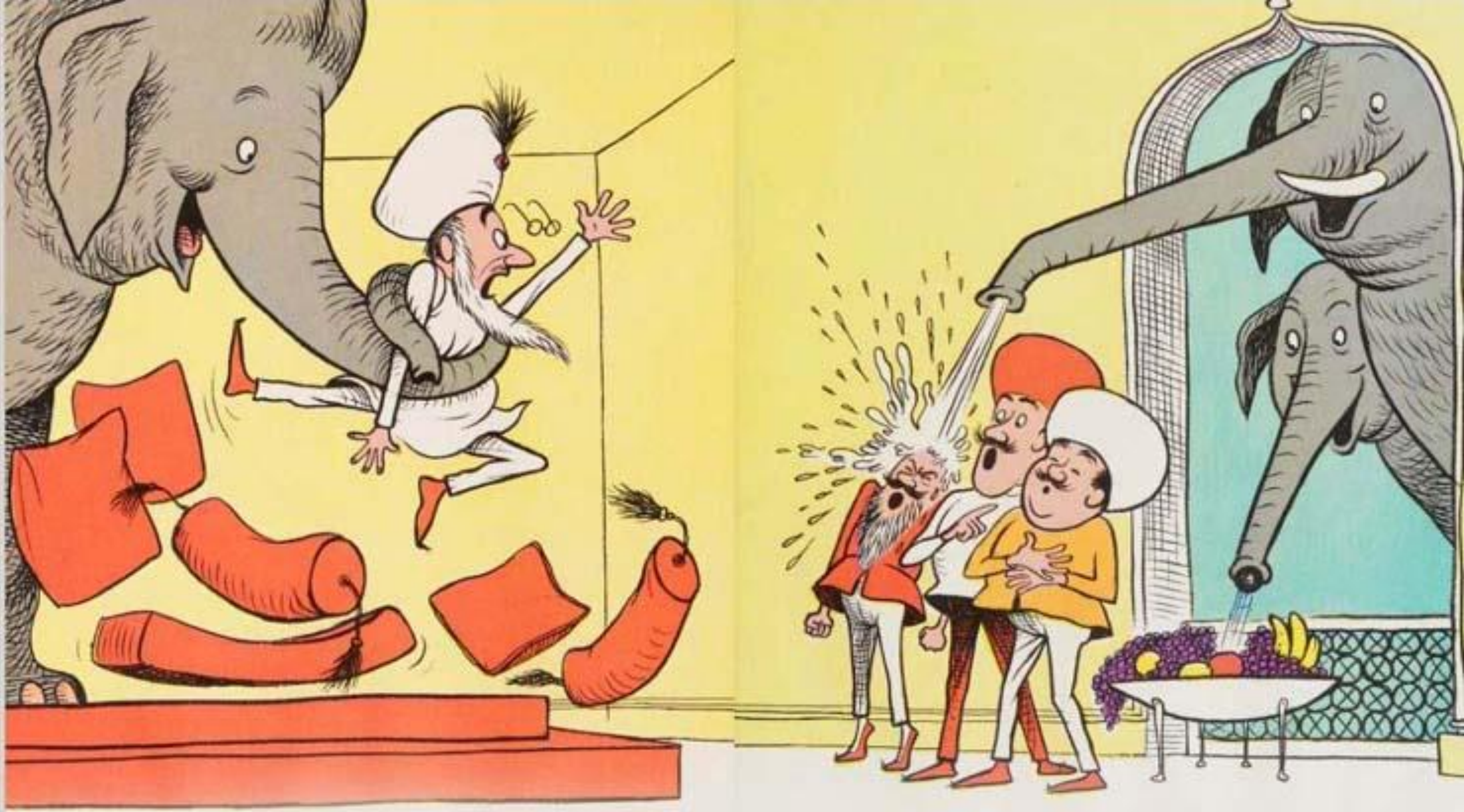


शेरों का पीछा करने वाले हाथियों
ने कमाल का काम किया.

जल्द ही आखिरी शेर
भी महल से भाग गया.

हाथी राजा के साथ रहकर बहुत खुश थे.
लेकिन हाथियों के साथ रहने से
राजा बहुत ज्यादा दुखी था.





"आप हाथियों से मेरा कैसे छुटकारा दिलाएंगे?" राजा चिल्लाया.

"हम यह कर सकते हैं," बुद्धिमान पंडितों ने कहा. "वो काम हम तुरंत करेंगे."

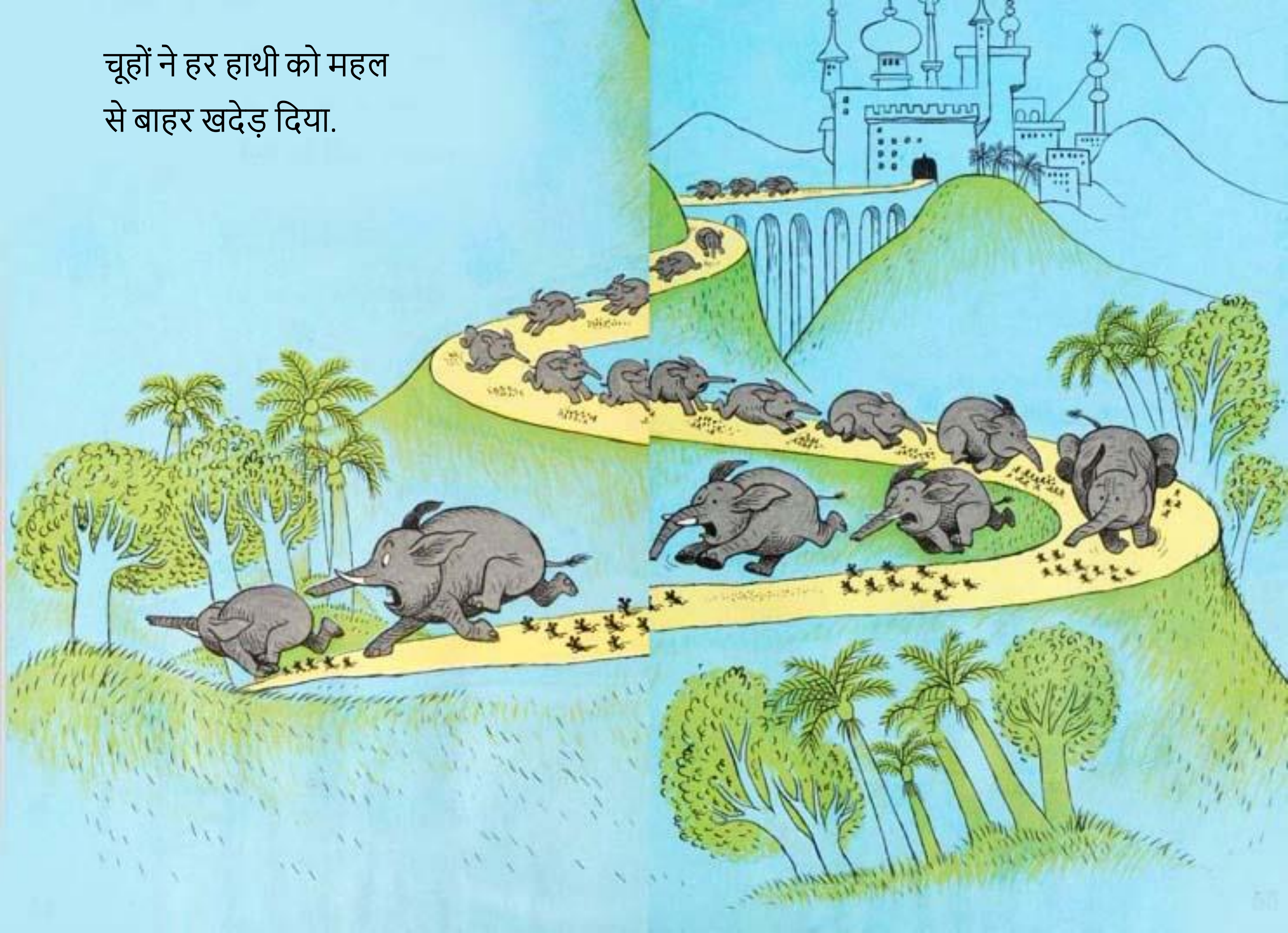
उसके बाद बुद्धिमान सलाहकार,
सभी चूहों को वापस ले आए.

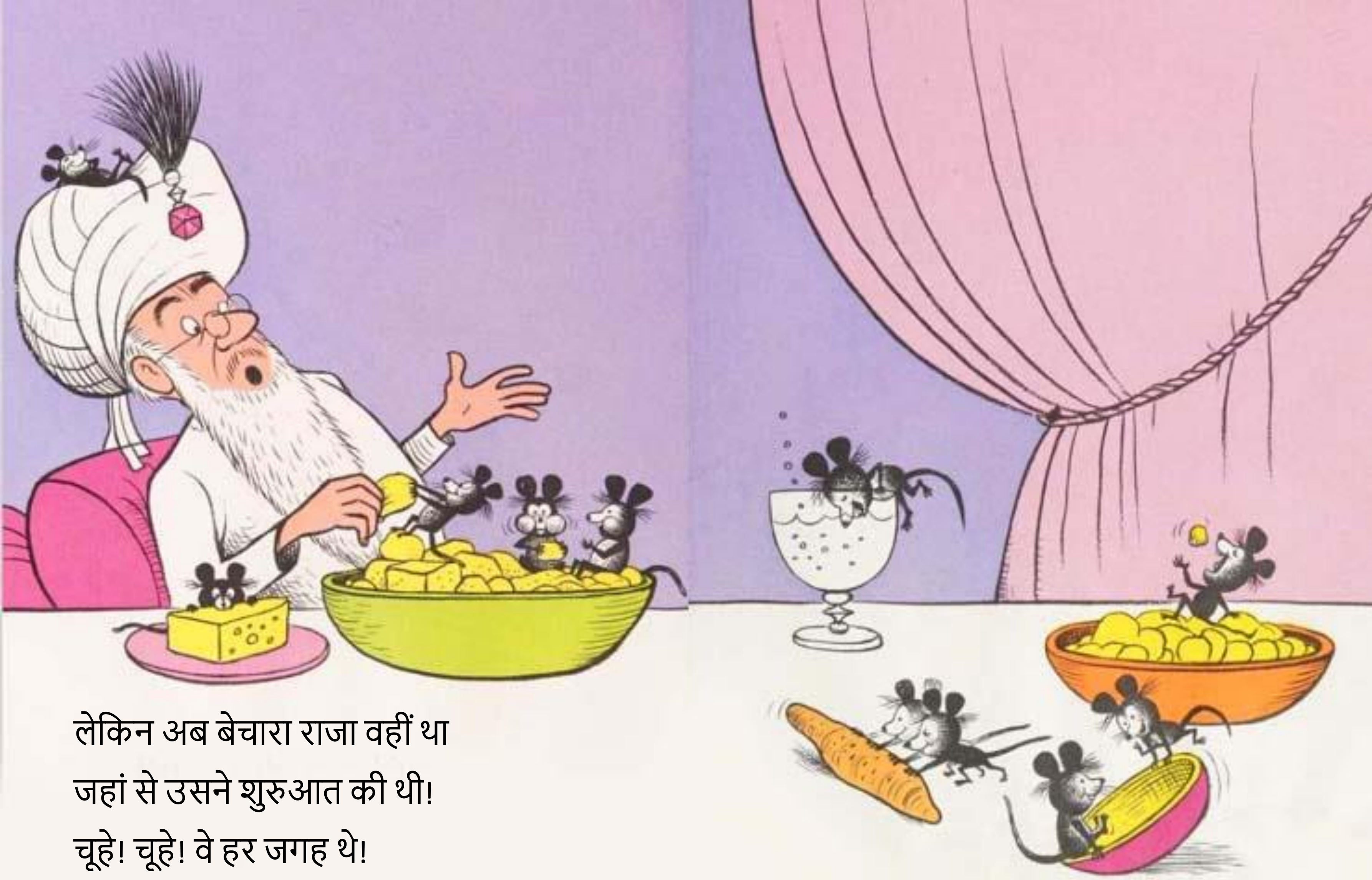




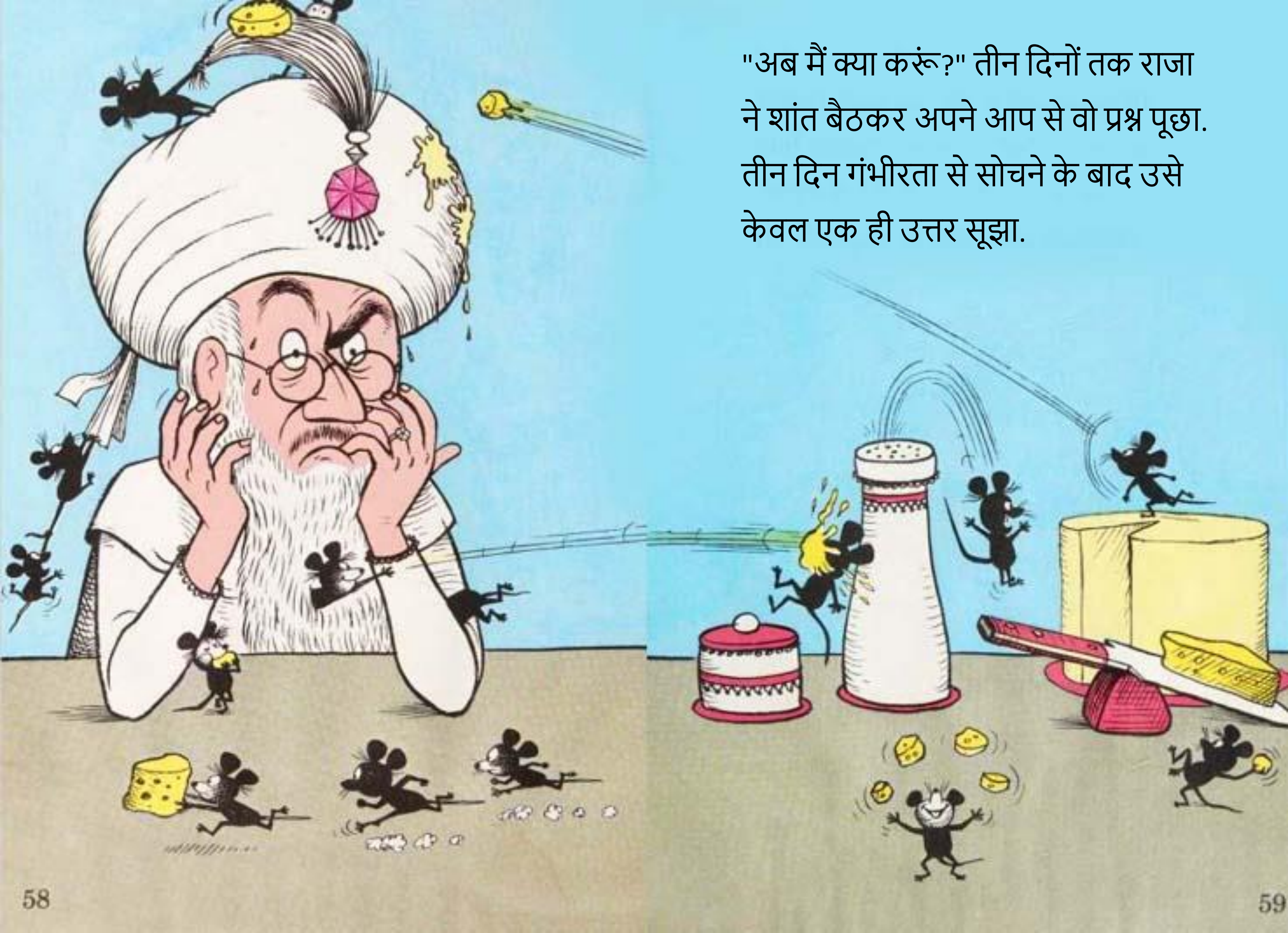

हाथियों को भगाने का काम
चूहों ने बखूबी निभाया.

चूहों ने हर हाथी को महल
से बाहर खदेड़ दिया.



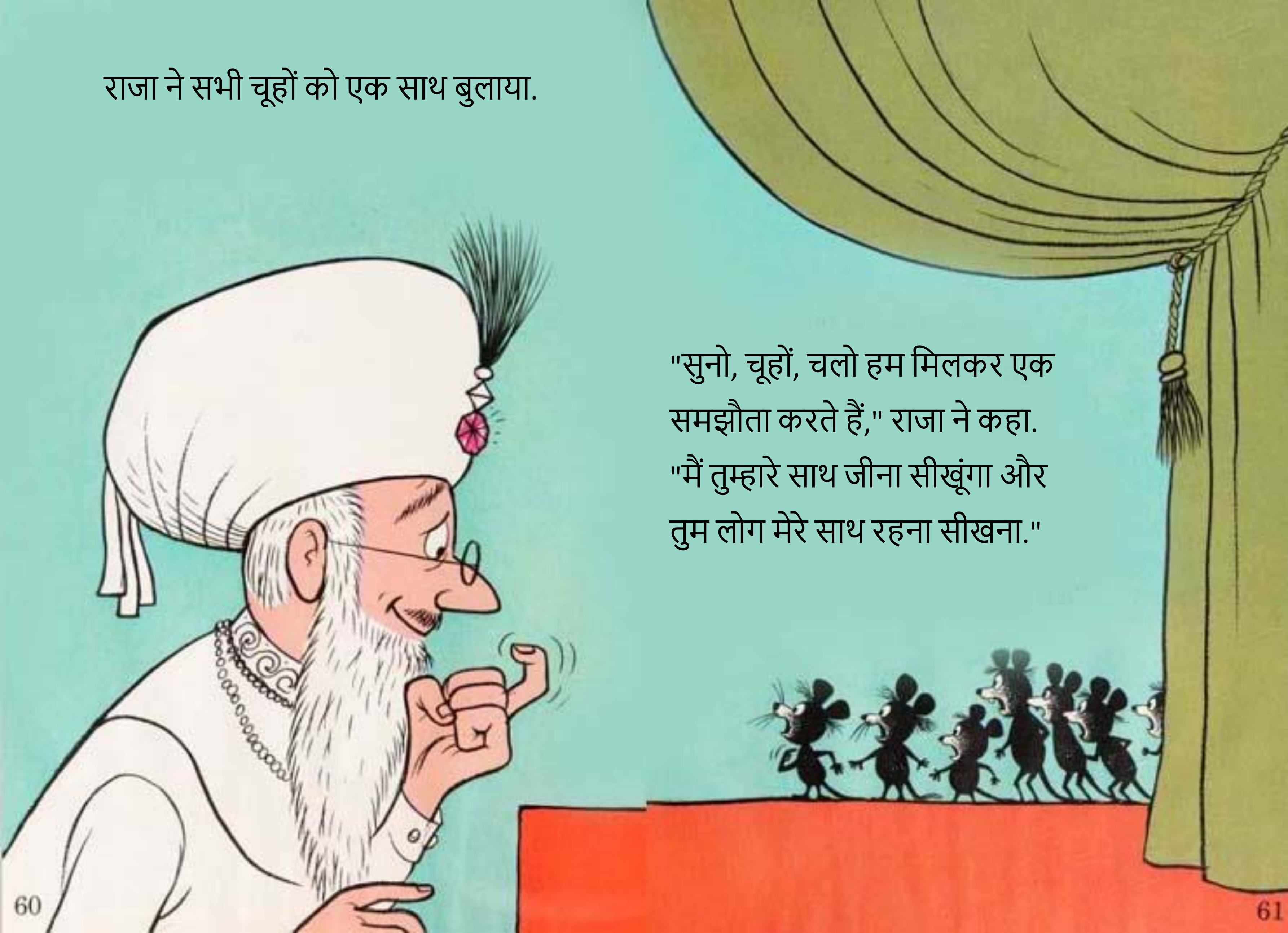


लेकिन अब बेचारा राजा वहीं था
जहां से उसने शुरुआत की थी!
चूहे! चूहे! वे हर जगह थे!
चूहे! चूहे! वे राजा का पनीर खा रहे थे!



"अब मैं क्या करूं?" तीन दिनों तक राजा ने शांत बैठकर अपने आप से वो प्रश्न पूछा. तीन दिन गंभीरता से सोचने के बाद उसे केवल एक ही उत्तर सूझा.

राजा ने सभी चूहों को एक साथ बुलाया.



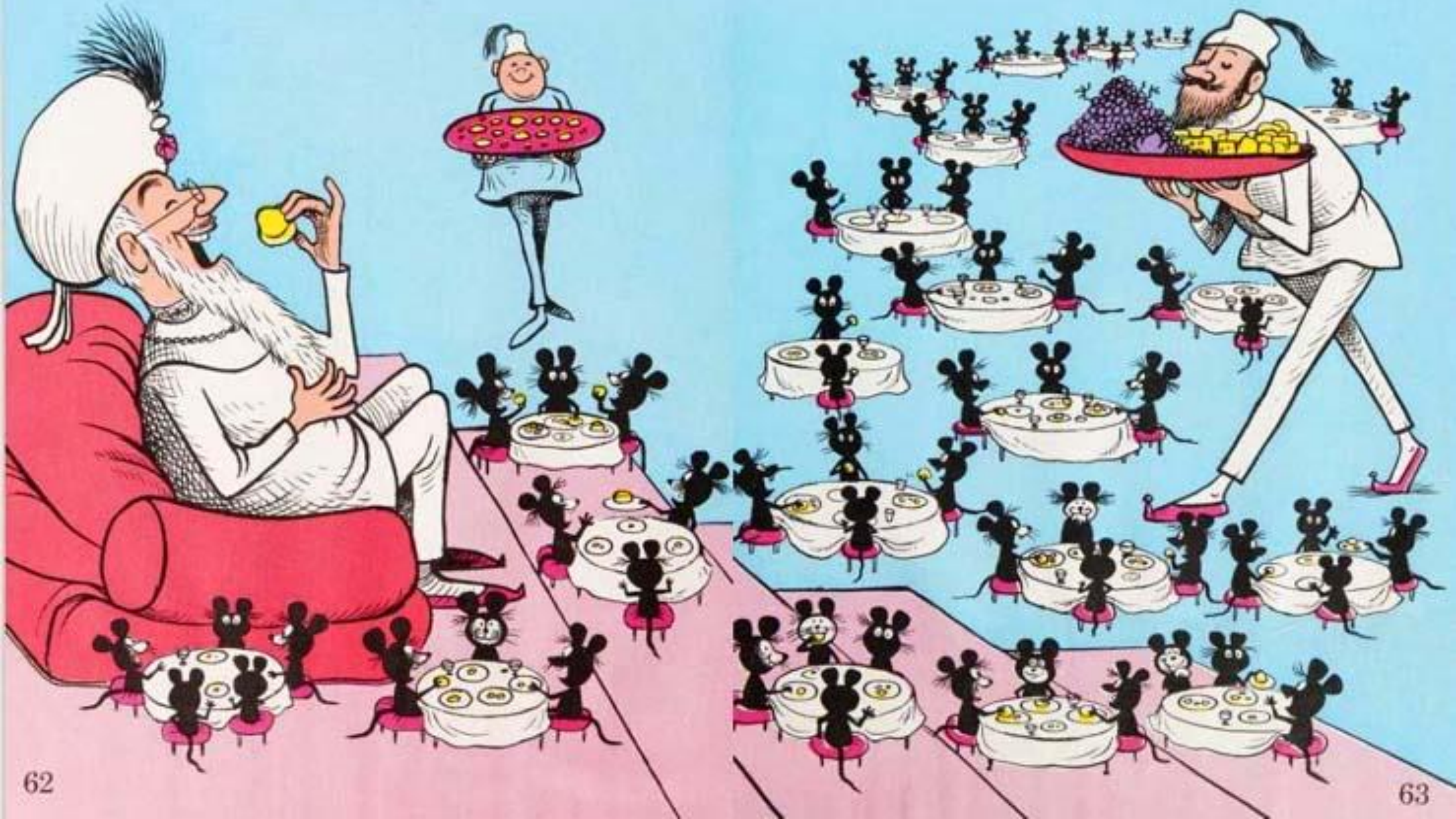
"सुनो, चूहों, चलो हम मिलकर एक समझौता करते हैं," राजा ने कहा. "मैं तुम्हारे साथ जीना सीखूंगा और तुम लोग मेरे साथ रहना सीखना."

तब से, राजा

अपना पनीर चूहों के साथ साझा करता है. . .

.. और चूहे बड़ी तहज़ीब

से वो पनीर खाते हैं.





समाप्त